

सुविधार

अपने का साथ बहुत
आवश्यक है, सुख है तो बढ़
जाता है और दुःख हो तो बढ़
जाता है।



हिन्दी दैनिक

प्रभात मंत्र

रांची, सोमवार

18.11.2024

वर्ष 11, अंक 312

RNI No. - JAHIN/2014/59110

समृद्ध झारखंड भाजपा का प्रण

रोटी बेटी माटी की पुकार
झारखंड में भाजपा सरकार

स्मार्ट ग्रिड
सिस्टम से
24X7 बिजली
की सप्लाई

10 नए मेडिकल कॉलेज,
50 नए डिग्री कॉलेज बनेंगे
सरकारी अस्पतालों
में 25000 नए बेड बनेंगे

कमल का बटन दबाएं

स्मार्ट सिटी की तर्ज पर सभी
जिला मुख्यालय विकसित होंगे
100 आदर्श गांव और 8000
उन्नत गांवों का विकास होगा

भाजपा को जिताएं



भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश

आ
भा
ज
पा
सू

अबकी बार रोजगार
देने वाली सरकार

झारखंड विधानसभा चुनाव-2024

24-मांडू विधानसभा

एनडीए उम्मीदवार

निर्मल महतो (तिवारी महतो)

को केला छाप पर बटन दबाकर
भारी मतों से विजयी बनाएं

आ
भा
ज
पा
सू

आजसू पार्टी



काम किया है
काम करेंगे



15 महीनों का कार्यकाल

वेहतर करोक्टिविटी, वेहतर विकास

- * 333 कोटी गोला-गूरी फोटो लेन सड़क की आपाराइला ढाई गड़ी
- * लागत 100 कोटी की आपारा से 140 विलोनिट ग्रामीण समुदाय का जिमरण।
- * 27 कोटी की लागत से ललकी पाटी से छातमांडू तक सड़क का जिमरण।
- * 35 कोटी की लागत गोला में ट्रैकिं जान से जिताता पाने के लिए ऐल ऑफ ब्रिज का जिमरण।
- * लगभग 40 कोटी की लागत से 10 से अधिक पुल-मुलिया का जिमरण।
- * डीकाणी गढ़ से लगभग 100 कोटी की लागत से 100 से अधिक पीसीसी पथ का जिमरण।
- * 35 से अधिक विद्यालयों के चार्टीवारी का जिमरण।
- * 16 से अधिक विद्यालयों में 90 से अधिक कक्षों का जिमरण।
- * 45 से अधिक विद्यालयों में विचार सेंटर का जिमरण।
- * चार प्रखंडों में 60 से अधिक आगंवाड़ी केंद्रों का नवीनीकरण।

विकास की ओर चलना, वेहतर विकास

- * 172 कोटी की लागत से लगभग 40 विधानसभा क्षेत्र में HT, LT लाईन के जर्जर हार, पोल और ट्रांसफार्मर बदले जा रहे।
- * ग्राम और शहरी क्षेत्र के चौक चौराहों को रोडल कराने के लिए 531 जिली गार्ड लाइट का अधिकायण किया गया।
- * 9 कोटी की लागत से प्रखंड-सह-अंगठ कार्यालय लामगढ़ का जिमरण।
- * 5 कोटी की लागत गोला खांकि में स्टाफ वर्कार्ट का जिमरण की आधारशिला।
- * विद्या बस एंड के पास छावनी विश्राम घृण का जिमरण।
- * 320 कोटी की लागत से गोला दुलकी और विद्युतपुर प्रखंड के किसानों के लिए तक पानी पहुंचाने के लिए पाइप लाइन ढारा नहर जिमरण स्थापित।

बैलेट
नं.
3

सुनिता चौधरी

NDA प्रत्याशी, 23 - लामगढ़ विधानसभा



आपके समर्थन से, लामगढ़ का भविष्य उज्ज्वल और सत्यक बनाने के लिए सुनिता चौधरी जी नियंत्रित प्रयासरत हैं। हर कदम लामगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की ओर!

विचारप्रवाह

पाकिस्तान भारत के जम्मू कश्मीर में लगातार यहां की शांति, सौहार्द को भंग करने में लगा हुआ है

پاکستان کا نیا دامن ہے دیجیٹل گھسپت

A white 3D character is standing on a laptop keyboard, reaching up towards a bookshelf filled with books.

शातपूर्ण तराक स हल करन के लिए हमशा स प्रतीक द्वारा ह। यहा तक कि भारत ने रस्स-यूक्रेन युद्ध के संबंध में भी समय-समय पर दोनों देशों से शांति, सौहार्द, संयम व आपसी बातचीत से आपसी मुद्दों को सुलझाने की अपील की है। भारत कभी भी किसी भी देश के साथ हिंसा व युद्ध नहीं चाहता है और वह शांति और संयम का पुरजोर समर्थक है। आज पाकिस्तान भारत के जम्मू कश्मीर व घाटी की शांति, सौहार्द भंग करने के लिए लगातार आतंकियों व आतंकवाद का सहारा ले रहा है क्योंकि वह भारत से प्रत्यक्ष लड़ाई करने की स्थिति में नहीं है, इसलिए वह चोरी-छिपे अमेरिका, चीन जैसे देशों की मदद से (हथियार, गोला-बारूद) भारत में समय-समय पर अशांति फैलाने की फिराक में रहता है और अब इसी क्रम में धारा-370 हटने के बाद वह बुरी तरह से तिलमिला उठा है और आतंकवाद के लिए नये-नये हथकंडे अपना रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि डिजिटल घुसपैठ वर्तमान में पाकिस्तान का एक नया पैतरा है और वह डिजिटल घुसपैठ के जरिए लगातार भारत में अशांति, उपद्रव और हिंसा फैलाने की फिराक में है। पाकिस्तान स्थित विभिन्न आतंकवादी समूह आज डिजिटल यानि कि विभिन्न आनलाइन गतिविधियों के जरिए भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देने में लिप्त है हालांकि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां, हमारे देश की साइबर टीम और हमारे तमाम सुरक्षा बिल इसको लेकर पहले से ही बहुत सतर्क और मुस्तैद हैं। बावजूद इसके भारत को पाकिस्तान द्वारा की जा रही अधिक बिकासत व समृद्ध करने का जरूरत है। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया की हर कहीं बहुत व्यापक व आसान पहुंच है। आज इंटरनेट व सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के आतंकी संगठन कट्टरपंथी कंटेंट, नफरती भाषणों को फैलाने की काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि मीडिया में आई खबरें बताती हैं कि वे नये लोगों का रिकूटमेंट तक कर रहे हैं। सच तो यह है कि इंटरनेट के माध्यम से आज पाकिस्तान आधारीक दुर्रपंथ पैदा कर रहा है। इससे विशेषकर जम्मू-कश्मीर व घाटी में शान्ति व्यवस्था बिधित हो सकती है। इसके लिए हमें एक मजबूत नेटवर्क के साथ ही इन सभी पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। मीडिया, साइबर क्राइम आदि के बारे में आम लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक व सचेत करने की जरूरत है। हमें देश से बेरोजगारी, गरीबी को भी दूर करना होगा क्योंकि बेरोजगार व गरीब युवा बहुत बार इनके चक्कर में आ जाते हैं और फिर इससे निकलने का रास्ता उड़े ही नहीं सूझता है। हमें देश में विकास को बढ़ावा देना होगा, शिक्षा का उजियारा सब तक फैलाना होगा। इनना ही नहीं, हमें हमारे देश में सहयोगित्वक ऑनलाइन पुलिसिंग को भी बढ़ाना होगा। तकनीकी विकास तो करना ही होगा ताकि ऐसे कट्टरपंथी कंटेंट पर लगाम लगाई जा सके। डिजिटल घुसपैठ (कट्टरपंथी कंटेंट) किसी भी राज्य, संस्थाओं और नागरिकों को विभाजित कर सकती है, हिंसा फैला सकती है। डिजिटल घुसपैठ अराजकता और झूठी सूचनाएं फैला सकती है।

खड़ो ने ऐसा बयान दिया। एक बार तमिलनाडु करना हो, तो लोगों को श्रम से मँह मोड़ना और वह चाहता है कि हर मॉजिल पर एक अलग मीटर कक्ष से

ଦୃଷ୍ଟି କୋଣ

प्रृथम नेता मल्लिकार्जुन
द्विंगे ने कर्नाटक में अपने ही दल की सरकार बनायी। यह कहकर आलोचना की कि जो चुनाव आये थे, पूरे नहीं किए जा सकते, उन्हें न करें। वज्रजड़ी है कि सरकार बन जाने पर उन्हें पूरा करने में दिक्षिण भारत की ओर से आती है। उनका आशय मुफ्त की उनकी जनाओं से था, जिन्हें पूरा करने में सरकारी जनाने को खाली होने का डर होता है। हिमाचल प्रदेश के बारे में अभी खबर आई ही थी कि वहाँ कार्रवाई खाने का हाल यह है कि सरकारी नियमित विचारियों को वेतन देने तक के लिए संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। इसके बाद उनमें से दिक्षिण भारत की ओर से आ रही है। हिमाचल प्रदेश में नेताओं को चुनाव जीतने से मतलब होता है कि वहाँ लिया जाता है कि बाद की बाद में देखेंगे कि लिए खड़ेगे के बयान पर ध्यान दिया जाना चाहिए। अरसे से देख रहे हैं कि सभी दल, जनता वाले हैं वोट दे, वे किसी न किसी तरह चुनाव जीता रहे हैं। इसके लिए मुफ्त में सब कुछ देने का बाद आ रहा है। वे भल जाते हैं कि अपने ही किए गए दोनों के जाल में फँस सकते हैं। फँसते हैं, तभी तक

भाग्य के भरोसे रहना सिखा दें। यहीं हो रहा है। मुफ्त की रेवड़ियाँ बांटें। रास्ता न बचे तो वल्लू बैक के साथ फैलाकर कर्ज ले लिया जाए। बेने फलते-फलते देश की अर्थव्यवस्था इसे के कारण किस तरह से बैठ गई, यह देखा। और सोचियत संघ के पतन न कछ नहीं सीखा। सोचें कि मुफ्त देने वें यदि इन पैसों को देश के विकास में लाते तो इससे लोगों को काम भी मिलेगा। अब परिश्रम की आदत भी नहीं छूटेगी। उदाहरण देना उचित होगा। कुछ न बिजली का बिल ठीक कराने के लिए गई थी। वहां पता चला कि फोटोकापर्ट काम को आसानी से करा देता है। कुछ होंगे। बार-बार आने और फिर भी काम के मुकाबले, कुछ पैसे देना उचित पहुंची, तो फोटोकापियर एक आदमी रहा था। वह आदमी कह रहा था कि एक कालोनी में उसका पचीस ग्रामज़िल का घर है। चारों मंजिल उसी

लगा दिया जाए, जिससे कि किसी भी मंजिल वा बिल दो सौ यूनिट से ज्यादा न आए और उनमें बिजली का एक पैसा न देना पड़े। यानी कि खाते ही तो आठ सौ यूनिट होंगी, मगर अलग-अलग मीटरों के कारण उसका बिजली का बिल शुरू होगा। कारण, दिल्ली की सरकार ने दो सौ यूनिट का बिजली मुफ्त में दे रखी है। यह तो एक उदाहरण है, लम्बे-चौड़े दिल्ली शहर में ऐसा कितने लोगों करते होंगे, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। दरअसल, एक बार अगर मुफ्त विद्युत कोई योजना शुरू कर दी जाए तो फिर किसी दल की हिम्मत नहीं होती कि वह उसे खत्म कर दे। क्योंकि खत्म करते ही विरोधी उसके पीछे पड़ जाते हैं और अपना नुकसान होते देखे, लंबे-चूनाव हरा देते हैं। इसके अलावा यह भी होता है कि आज आपने किसी को एक रुपया मुक्त दिया है, तो वह कहता है कि एक रुपया न पहले से ही मिलता है, वही दे रहे हो तो न क्या दे रहे हो। बोट तो तब दें, जब ये बताओ। इस एक रुपये से बढ़ाकर कितना दोगे। जितना मुफ्त मिलता जाता है, तालाच बढ़ता जाता है।

ପ୍ରକାଶକ

प्राचारा संदिया गया प्रवचन

इस प्राप्ति के लिए उनकी नहीं है। इन प्रासादों के भीतर भी उनका प्रवेश निषेध रहा। लेकिन फिर भी उन्हें समझा दिया जाता कि यह प्राचीर तुमसे दूर नहीं। इस पर पीढ़ी दर पीढ़ी बैठे लोगों के जय जयकार के नारे लगाते रहीं, तो जब वोट डालने का वक्त आएगा, तो ये चार दिन की चांदनी का मंत्र-वाक्य सिद्ध करने के लिए तुम्हारे दरवाजे पर दस्तक दे देंगे। तुम उनसे न पूछना कि इन चंद चांदनी रातों के बाद क्या फिर अंधेरी रात का उपहार है? बरखरदार भला इसके पूछने की क्या जरूरत है? यहां अंधेरी रातों के तोहफे नहीं बंटते, यह तो तुम्हारी नियत है। अब तक इसे झेल लेने की तो तुम्हें आदत हो जानी चाहिए थी। बहुत-सी बातों की आदत तो हो गई है, तुम्हें कि जैसे यह आदत के लिए चिंता न करो, अच्छे दिन आएंगे। सब जन रोती खाएंगे। बदन पर फटे चीथड़ों की जगह सज्जनों जैसे वस्त्र पाएंगे। उनके बिना दीवारों के घर अब उनसे रुखसत ले लेंगे। उनके सिर पर छत का चंदोबा बन जाएगा। जिसके फटे सीने से झांकता हुआ चांद उनके साथ हाथ मिलाने नहीं आएगा। यह सब नहीं मिला। हाँ, इसका इंतजार करने की आदत अब अवश्य पकड़ी हो गई है। सपनों का बायकोप दिखाने वाला अपने ओजस्वी भाषण के साथ आज भी जरूरत पड़ने पर उनकी गलियों का चक्कर लगाने आ जाता है। उसके पास निकट भविष्य में उनका वक्त बदल जाने का संदेश रहता है। लेकिन यह भविष्य कितना निकट है, शायद इसकी खबर उसे नहीं रहती। प्राचीर से चिल्लाओं तो आवाज को उनके पाताल तक पहुंचते देर लगती है। उनके प्रासादों के बाहर कभी फुटपाथ थे, उनका ठिकाना बन जाते थे, लेकिन स्वच्छ भारत अभियान में इन फुटपाथों पर मैले कुचले लोगों का ज्ञानियों में समेट दो। इन्हे पांचकशी करने के लिए इनके बाहर ऊची दीवारों का परकोटा बना दो। हमारे सम्पन्न भूमि यह उभेजा-संवरता देश देखने आएंगे। उनकी नजर इन मैली-कुचली बस्तियों पर नहीं पड़ती चाहिए। उनके सौंदर्य बोध पर आधात लगेगा। उन्हें सिफ़र यही बताना कि वह दुनिया के उस सबसे बड़े लोकतंत्र में तशीरफ लाए हैं जहां अति गरीब जनता की भीड़ हर बार चुनाव दंडुभिं बजने के बाद बड़ी ईमानदारी के साथ अपने बोटों की पुष्पांजलि से इन प्राचीरों और प्रासादों पर कब्जा जमाए अति असामाजिक तत्वों को अपना नया खुदा चुनती है। इन नए खुदाओं के दिल में उनका दर्द नौ दिन और अपने भाई-भतीजों का दर्द सौ दिन सवाया रहत है। इसी को वे इस देश में समाजाद की स्थापना का नाम देते हैं, जहां टसुवे गरीब के लिए बहाए जाते हैं और माऊंट एवरेस्ट अमीर का उठाया जाता है। यह अमीर संख्या में बहुत नहीं है। जनता के धूलि-धूसरित आट में नमक की तरह रहना पसंद करते हैं। नमक अधिक हो जाए तो उनकी सेहत देश में बिगड़ने लगती है तो वे बैंकों की सेहत बिगड़ती है तो वे बैंकों की सेहत बिगड़ देते हैं। अपने प्रासादों और प्राचीरों की धौंस से उनका जो खजाना उठा कर अपनी तिजोरी में भरा होता है तो वे बैंकों की सेहत बिगड़ती हैं। आजकल इन देशों की नागरिकता विकने लगी है और अपना चोला बदलते देर ही कितनी लगती है। बस गंगा गए तो गंगा राम और जमना गए तो जमना दास हो जाते हैं। पीछे जिन्हे छोड़ गए, वे प्रासाद के प्राचीर उनकी प्रतीक्षा करते हैं। जिन बैंकों के कोषागार खाली कर गए थे, उनके वजूद लड़खड़ाने लगते हैं।

एआई की ट्रैड में जीत हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण है हरित ऊर्जा



कोल कंपनियों के प्रदूषण के प्रकोप से बड़ी आबादी त्रस्त, ट्रांसपोर्टिंग के दौरान उड़ते धूलकण से हवा में फैल रहा जहर

प्रदूषण के कारण जोरदार में तालाब में फैल रहा धूलकण का जहर, पानी हुआ दूषित, मर रही है मछलियां

रोहित गोस्वामी @ प्रभात मंत्र
केरेडारी : एनटीपीसी के केरेडारी व चूंचीबरियात् कोयला खनन परियोजना से ग्रामीण सड़क से हो रहे कोयले की ढुलाई से जोरदार पानी पेटो बुकरु टंडवा , गांव में प्रदूषण के प्रकोप से बड़ी आबादी त्रस्त दिख रहे हैं। एक और ट्रांसपोर्टिंग के दौरान उड़ते धूलकण से ग्रामीण परेशान हैं जो दुशरी ओर प्रत्येक दिन ही रही सड़क दुर्घटना से काली सड़क को लाल किया जा रहा है। वहाँ हवा में उड़ते धूलकण मानव के शरीर में जहर फैल रहा है। कोयले की ट्रांसपोर्टिंग से उड़ती धूल कण से एनटीपीसी की चूंची बरियात् कोयला खनन परियोजना



से भारी वाहनों हाइवा से आम जनता के आवागमन के लिए बनी सड़क से हो रही कोयले की ट्रांसपोर्टिंग की बजह से उड़ते धूल कण से क्षेत्र की आबादी को मानो नजर लग गई है। एक और जहाँ निर्दोष लोग जान गवां रहे हैं वहाँ दूसरी ओर प्रदूषण की बजह से गंभीर जिमरियों के शिकायत भी हो रहे हैं। ट्रांसपोर्टिंग के दौरान कोयले की उड़ती धूल की बजह से जोरदार गाँव में तालाब का पानी दूषित हो चुका है व जलीय जीवों का जीवन संकट में आ गया है जबकि जोरदार रोड में धान की फसलों में भी कोयले के धूल की मात्रा परत जम गई है।

निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त कर्मी 19 नवंबर को डिस्पैच सेंटर, संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग में पोस्टल बैलेट के माध्यम से करेंगे मतदान

- सुविधा केंद्र में निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त अंतर जिला के पुलिस मतदाता भी करेंगे मतदान

प्रभात मंत्र संवाददाता
हजारीबाग : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त का कार्यालय हजारीबाग के पोस्टल बैलेट-सह-मतपत्र कोयला

हजारीबाग द्वारा विधानसभा निर्वाचन-2024 के निमित्त सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल एवं 24- मांडू के सभी अध्यक्षों को सूचित करते हुए आदेश जारी किया गया है कि वे सभी सरकारी कर्मी जो

मतदान केंद्र में उपस्थित होकर

द्वितीय चरण में दिनांक

20.11.2024 को होने वाले

मतदान से संबंधित विधानसभा

क्षेत्रों के मतदाता हैं तथा निर्वाचन कार्य को सम्पन्न करने हेतु अपने

मतदान केंद्र में उपस्थित होकर

द्वितीय चरण में सक्षम नहीं है तथा

पूर्व से कार्यरत सुविधा केंद्र में

किसी कारणवश मतदान का कार्य

नहीं कर पाये हैं, उन कुटे हुए

मतदाताओं के लिए डिस्पैच सेंटर,

संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग के

पूर्वाहन 8:00 से अपराह्न 3:00

मतदान करने में सक्षम नहीं है तथा

केंद्र बनाया गया है। संत कोलंबस

कॉलेज हजारीबाग के जियोलॉजी

डिपार्मेंट में बनाए गए सुविधा केंद्र

में दिनांक 19.11.2024 को

पूर्वाहन 8:00 से अपराह्न 3:00

मतदान करने में सक्षम नहीं है तथा

केंद्र बनाया गया है। संत कोलंबस

कॉलेज हजारीबाग के जियोलॉजी

डिपार्मेंट में संत कोलंबस

कॉलेज हजारीबाग के जियोलॉजी

मानवदेवी डेडीकेटेड इंटर कॉलेज लिलावाकरम में एनसीसी का प्रशिक्षण शिविर शुरू

एनसीसी कैडेट्स में देश सेवा का भाव जगाना प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य : कर्नल कवरदीप

प्रभात मंत्र संबाददाता

मेंदिनीनगर : मानवदेवी डेडीकेटेड इंटर कॉलेज में एनसीसी 44वीं झारखंड बटालियन के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का विचिवत आज रविवार को हुआ। यह शिविर 25 नवंबर 2024 तक मानवदेवी डेडीकेटेड इंटर कॉलेज लिलावाकरम पोखराहा खुदरा में चलेगा। कॉलेज में यह प्रशिक्षण शिविर एनसीसी के कमांडिंग अफिसर कर्नल कवरदीप साहनी तथा एडम अफिसर कर्नल अरुण बाड़ा के नेतृत्व में दिया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में 17 ट्रेनिंग स्टाफ एवं 200 एनसीसी कैडेट्स शामिल हैं। शिविर के दौरान एनसीसी कैडेट्स को मिलिट्री प्रशिक्षण, फोर्ल क्राफ्ट, लीडरशिप, स्किल, अनुशासन, पर्सनलिटी डेवलपमेंट एवं अन्य चीजों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गणीय कैडेट कोर यानी एनसीसी के कैडेटों को सबोधित करते हुए कर्नल कवरदीप साहनी ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, देशभक्ति और सेवा भावना का भाव विकसित करना है। एनसीसी का उद्देश्य युवाओं को देश का अच्छा नागरिक बनाना और उन्हें रखा सेवाओं के लिए तैयार करना है। कैडेट्स के बीच आपस में इसमें शमिल युवा ने केवल व्यक्तिगत समाज पर ध्यान देते हैं, बल्कि समाज और देश की सेवा के लिए भी प्रेरित होते हैं। इसका प्रमुख उद्देश्य युवाओं में चरित्र निर्माण और नेतृत्व क्षमता का विकास करना, अनुशासन और संगठनात्मक



कौशल सिखाना है। सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाना और युवाओं को सेवा, नौसेना और वायुसेना में भर्ती के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कैडेटों को संवेदित करते हुए कहा कि लीडरशिप का गुण सभी के अंदर होता है। लोकन मुख्य बात यह है कि अपने अंदर के स्कॉल को जगाना है। कहा कि लीडरशिप जीवन में हमेशा काम करेगा। यह ऐसा गुण है जो हर दिन काम आता है। कर्नल कवरदीप साहनी ने कहा कि हर कैडेट्स देश का नागरिक है। सिर्फ यही भाव अपने आप में रखता है। कैडेट्स के बीच आपस में जाति, वर्ग और धर्म तोर्हे भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कहा की 10 दिन के प्रशिक्षण के दौरान आप सभी को कॉर्पसेन की सीख मिलेगा।

प्रशिक्षण शिविर में इनकी रही उपस्थिति: प्रशिक्षण शिविर में

एनसीसी के कमांडिंग अफिसर कर्नल कवरदीप साहनी तथा एडम अफिसर कर्नल अरुण बाड़ा के सेवा, नौसेना और वायुसेना में भर्ती के लिए सुवेदार मेंरर मर्यादा, अंतर, सुवेदार दिलीकुमार साहनी, सुवेदार गोकुल तिगां, नायक सुवेदार सीधों दोपांगों और विस्ता उत्तर, हवलदार पवन सिंह, अमरनाथ मुंदा, विजय धनवार, जेवियर कुजर, राजू मुंदा, एक हेब्रम, रमेश कुमार, ज्योति मनन, लाल पूर्णि, स्वर्णजीत सिंह, लेपिटनेंट आलोक कुमार पटनायक, ओआर संदीप कुमार ओझा, थर्ड ऑफिसर प्रमोद कुमार पांडे और दिलीप कुमार मुख्य रूप से उपस्थिति थे।

एनसीसी कैडेट्स में खुशी का माहोल : मानवदेवी डेडीकेटेड इंटर कॉलेज में शुरू किए गए एनसीसी के प्रशिक्षण शिविर में शमिल सभी कैडेट्स में खुशी का माहोल देखा गया। बातचीत करने पर सभी के बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर देश की सेवा करने की तमता है। बताया कि मानवदेवी डेडीकेटेड इंटर कॉलेज में शांत वातवरण में हम लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है जो खुशी की बात है। यहां प्रशिक्षण देने वाले एनसीसी के सभी अधिकारी बहुत ही अच्छी बात बता रहे हैं। इन लोगों अधिकारियों के द्वारा दिया जा रहा है। सभी अधिकारी पूरे तन और मन के साथ कैडेट्स को प्रशिक्षण देकर देश का एक योग्य नायारिक बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एनसीसी कैडेट्स के बीच देश भक्ति और देश सेवा का जज्जा भर रहे हैं। साथ ही देश और समाज में रहने के अनुकूल ज्ञान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानवदेवी डेडीकेटेड इंटर कॉलेज में हर वर्ष एनसीसी कैडेट्स के लिए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले एनसीसी के सभी कैडेट्स को देश सेवा और देशभक्ति के अलावे डिफेंस के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। ताकि जल्दी पड़ने पर सभी कैडेट्स देश की सेवा कर सकें। प्रधानाचार्य डॉक्टर श्रेष्ठ कुमारी ने एनसीसी के सभी अधिकारी और कैडेट्स को धन्यवाद दिया।

संकल्प सह घोषणा पत्र

- जिन गुंडों ने लेडीइमर, बेहाकुटर, यिटाही सहित बाघमारा विभिन्न क्षेत्र में ऐयों को कमजोर समझ कर उनकी जमीन लूटी है उसे तत्काल ऐयों को वापस दिलाउंगा।
- बीसीसीएल कोलियारियों में सभी वर्ग के लोग 100 टन 200 टन कोयला डीओ लगा सके उसकी सम्पूर्ण व्यवस्था उपलब्ध कराउंगा।
- बाघमारा में आउटसोर्सिंग कंपनीयों में व्याप गुंडायाज को खत्म कर स्थानीय लोग युवा बोरोजगारों को रोजगार के साथ साथ उसके संचालन की व्यवस्था का भी दायित्व दिलाने का कार्य कराउंगा।
- बाघमारा के हर पंचायत में लायब्रेरी की सम्पूर्ण व्यवस्था कराउंगा।
- बाघमारा के हर पंचायत पर एक-एक सहित कुल आठ एम्बुलेंस पूरी बाघमारा में मुफ्त सेवा हेतु प्रदान कराउंगा।
- बाघमारा विधायक बनाने के 6 माह के भीतर 5000 युवाओं और महिलाओं के लिए स्कॉलगार की बात सुनिश्चित व्यवस्था कराउंगा तथा हर एक पंचायत में महिलाओं के लिए सिलाई केन्द्र खोला जाएगा।
- बाघमारा के महिलाओं के माथे से पानी का ढेक्की हटाकर पानी की हर घर में समुचित व्यवस्था कराउंगा।
- बाघमारा के हर घर में बीसीसीएल, टाटा से कंपनी एक्ट के तहत आने वाली हर सुविधा पानी, बिजली, स्वास्थ एवं अन्य हर सुविधा उपलब्ध कराउंगा।
- कोलियारीयों में मजदुरों से लोडिंग के नाम पर हो रहे अवैध वसुली पर एक लगाकर मजदुरों की हक अधिकार दिलाउंगा।

चुनाव चिन्ह



क्रम संख्या

12

मैं धनबाद जिला के बाघमारा विधान सभा के विधायक पद हेतु, कर्मठ एवं ईमानदार प्रत्याशी रोहित यादव मेरा चुनाव चिन्ह सिलाई मशीन छाप पर 12 नंबर पर बटन दबा कर मुझे विजय बनाए। मेरा वादा है संकल्प सह घोषणा पत्र में दिए गए सभी कार्य कराउंगा।

